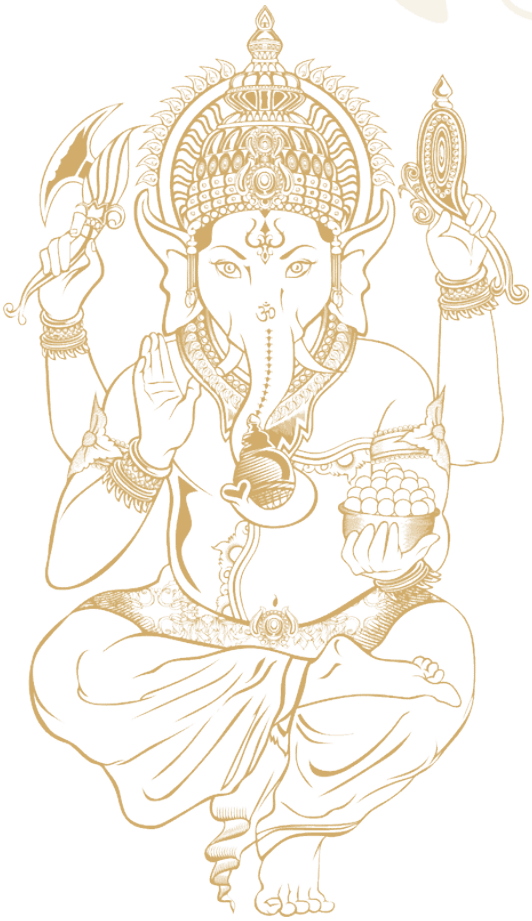

Rishabh Kirti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119839201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119839201 Date: 20/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/07/1995	जन्म तिथि	05/08/2002
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:20:00	जन्म समय	14:23:00 घंटे
घटी 16:44:10	जन्म समय(घटी)	21:33:13 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Delhi
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:19	सूर्योदय	05:44:34
19:18:02	सूर्यास्त	19:09:12
23:47:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:20
तुला	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृष	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
रोहिणी	नक्षत्र	मृगशिरा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	4
वृद्धि	योग	व्याघात
कौलव	करण	कौलव
वी-वीरसिंह	जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 9मा 26दि		02:35:31	तुला	लग्न	वृश्चि	10:13:05	मंगल 1वर्ष 2मा 13दि	
गुरु		06:10:33	कर्क	सूर्य	कर्क	18:53:02	गुरु	
19/05/2024		18:14:08	वृष	चंद्र	मिथु	04:22:34	18/10/2021	
19/05/2040		07:19:18	कन्या	मंगल	कर्क	20:39:58	18/10/2037	
गुरु	07/07/2026	00:35:14	कर्क	बुध	सिंह	04:17:20	गुरु	06/12/2023
शनि	17/01/2029	11:53:57	वृश्चि व	गुरु	कर्क	06:55:04	शनि	18/06/2026
बुध	25/04/2031	28:16:27	मिथु	शुक्र	कन्या	04:00:13	बुध	23/09/2028
केतु	31/03/2032	00:43:03	मीन व	शनि	मिथु	01:25:50	केतु	30/08/2029
शुक्र	30/11/2034	07:40:35	तुला व	राहु व	वृष	22:31:47	शुक्र	30/04/2032
सूर्य	18/09/2035	07:40:35	मेष व	केतु व	वृश्चि	22:31:47	सूर्य	16/02/2033
चन्द्र	17/01/2037	04:38:08	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:32:35	चन्द्र	18/06/2034
मंगल	24/12/2037	00:12:03	मक व	नेप व	मक	15:36:14	मंगल	25/05/2035
राहु	19/05/2040	04:05:30	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:07:42	राहु	18/10/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:20

लग्न-चलित

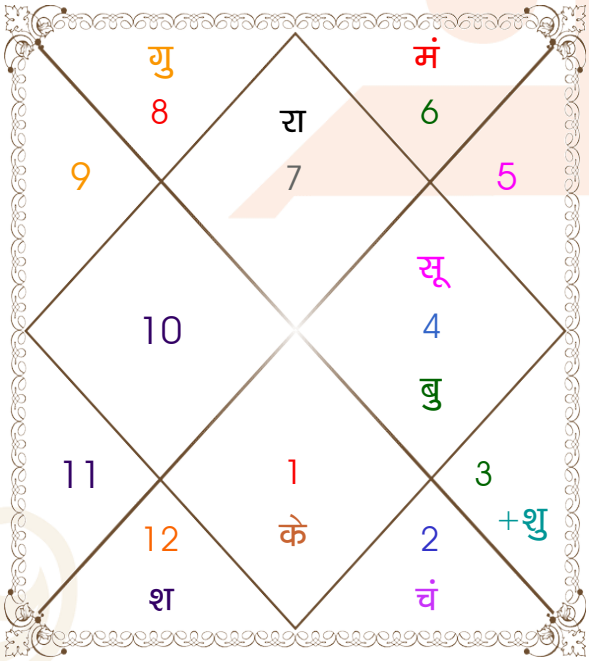

लग्न-चलित

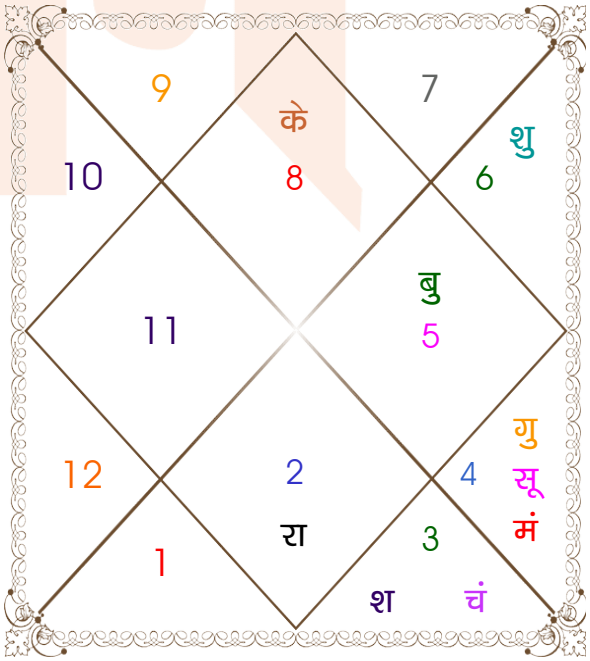

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

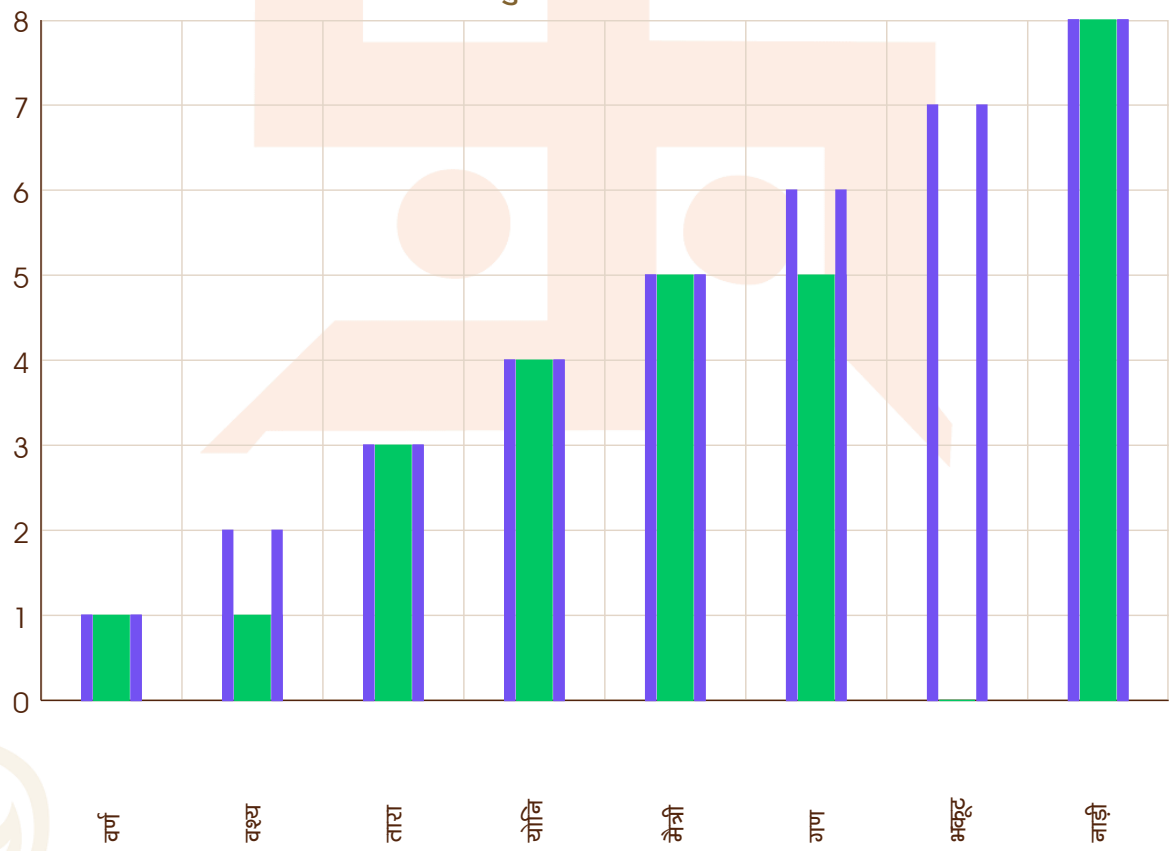

भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र
पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Rishabh का वर्ग मृग है तथा Kirti का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rishabh और Kirti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rishabh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rishabh कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Kirti मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rishabh तथा Kirti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rishabh का वर्ण वैश्य है तथा Kirti का वर्ण शूद्र है। इसमें Kirti का वर्ण Rishabh के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Kirti अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Kirti हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Rishabh का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Kirti का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Rishabh एवं Kirti एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Kirti क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Rishabh की तारा अतिमित्र तथा Kirti की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Rishabh हमेशा Kirti के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Rishabh की योनि सर्प है तथा Kirti की योनि भी सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत

करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rishabh एवं Kirti दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Rishabh एवं Kirti के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rishabh एवं Kirti जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Rishabh का गण मनुष्य तथा Kirti का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Kirti सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Rishabh व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Rishabh अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Rishabh से Kirti की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Kirti से Rishabh की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Rishabh गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Kirti समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Rishabh शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Rishabh की नाड़ी अन्त्य है तथा Kirti की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Rishabh की जन्म राशि भूमितत्व से युक्त वृष तथा Kirti की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। पृथ्वी एवं वायु तत्व में नैसर्गिक असमानता होती है। अतः Rishabh एवं Kirti में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक असमानताएं विद्यमान रहेगी तथा इसमें परस्पर यत्न से ही किंचित मधुरता आ सकती है।

Rishabh की राशि का स्वामी शुक्र एवं Kirti की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र हैं। अतः दाम्पत्य जीवन की सुख एवं समृद्धि की दृष्टि से यह स्थिति शुभ रहेगी। Rishabh और Kirti का एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा समर्पण की भावना होगी तथा दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे। इस प्रकार Rishabh और Kirti का जीवन सुख शांति से व्यतीत होगा।

Rishabh और Kirti की परस्पर राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से किंचित विभिन्नताएं होंगी। Kirti वायुतत्व एवं द्विस्वभावराशि की होने के कारण उनमें परिवर्तन शीलता का भाव रहेगा तथा अपने विचार इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को समय समय पर परिवर्तन करेगी जिससे Rishabh किंचित असुविधा तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे।

Rishabh का वश्य चतुष्पद एवं Kirti का वश्य मानव है तथा इन दोनों की आपस में नैसर्गिक असमानता है। अतः Rishabh और Kirti की अभिरूचियां में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता होगी। अतः दाम्पत्य जीवन के सुख में एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट अल्प मात्रा में ही कर सकेंगे अतः परस्पर सामंजस्य स्वीकार करके दाम्पत्य स्थापित सुखी बनाने में यत्नशील रहना चाहिए।

Rishabh का वर्ण वैश्य है अतः इनके सभी कार्य व्यापारिक बुद्धि से सम्पनन होंगे तथा धनार्जन के प्रति सर्वदा तत्पर रहेंगे। Kirti का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक कर्तव्य परायण महिला होंगी तथा किसी भी कार्य को ईमानदारी से पूर्ण करने में तत्पर रहेंगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

Rishabh की तारा अतिमित्र तथा Kirti की तारा सम्पत है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा एक दूसरे के सहयोग एवं सौभाग्य से इसमें वृद्धि करने में सर्वदा तत्पर होंगे परन्तु इन दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। साथ ही मंगल का भी Rishabh की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे आर्थिक विषमता से संघर्ष करना पड़ सकता है लेकिन यह प्रभाव अल्प समय के लिए होगा।

भकूट दोष के प्रभाव से Kirti की प्रवृति अनावश्यक तथा अधिक व्यय करने की

होगी तथा मंगल के दुष्प्रभाव से Rishabh व्यवसनों पर व्यय करेंगे जिससे उन्हें यदा कदा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः Rishabh और Kirti दोनों को अपनी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

Rishabh की नाड़ी अन्त्य तथा Kirti की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का Kirti के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए Kirti को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rishabh और Kirti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rishabh और Kirti के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Kirti के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Kirti को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Kirti को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rishabh और Kirti सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rishabh और Kirti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Kirti के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Kirti अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Kirti पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Kirti अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Rishabh की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Rishabh सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Rishabh का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Rishabh के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Rishabh भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Rishabh के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।